



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा  
ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़े के  
लिए संपर्क करें  
9511151254

# स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

@swatantraprabhatmedia

@swatantramedia

9511151254

epaper.swatantraprabhat.com

@SwatantraPrabhatonline

news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव सीतापुर, हरदोई, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर,

लाइकिंया योटी रहीं फिर भी नहीं पसीजा लखनऊ प्रशासन...03

लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर 2024

वर्ष 06, अंक 25, पृष्ठ 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

प्रयागराज, कौशाम्बी, बांदा, महोबा, मिर्जापुर, भद्रेही, झारखण्ड, दिल्ली, बिहार, उत्तराखण्ड आदि जनपदों में प्रसारित

गोकुल में गोप तलाई से हटाए गये औरै कब्जे...12

## संविधान पर अपने 'तरकश और तीर' लेकर रांची पहुंच रहे राहुल गांधी, 20 साल बाद राजनीति समझ आई

● आज रांची में राहुल गांधी संविधान सभाना सम्मेलन को करेंगे संबोधित.

राहुल गांधी के दौरे को लेकर झारखण्ड कांग्रेस इसे सफल बनाने में जुटी.

स्वतंत्र प्रभात

राहुल ने आगे कहा कि पुरे चुनाव में मैंने कुछ नहीं किया। बस लोगों को बाबा साहेब का संविधान दिखाना शुरू किया। मैंने सिर्फ इनका कहा कि इसे किसी को छोड़ने नहीं देंगे।

प्रधानमंत्री के चेहरे से हंसी गायब-राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिष्ठक राहुल गांधी ने अगे कहा कि प्रधानमंत्री नंदें मोदी के चेहरे से हंसी गायब हो गई है। प्रधानमंत्री पहले हंसते थे, लेकिन जो नीति आए हैं उससे उन्हें झटका लगा है।

उन्होंने आगे कहा कि संविधान की रक्षा न तो अब चुनाव आयोग कर रही है और न ही झूँड़िशरी। मंत्रालय में बैठे लोग सरकार के लिए काम कर रहे हैं। संविधान के लिए नहीं।

राहुल गांधी ने अपने लोगों को दोपहर करीब 2 बजकर 25 मिनट पर राजी एपरेट पहुंचे।

वहां कोंग्रेस के तमाम बड़े नेता उक्ता च्यागत करेरे। इसके बाद वो रांची के रेडियो ब्लू में करीब 45 मिनट तक समय युजाने के बाद शाम 4 बजे डोरंगा के शेष सभागार पहुंचे।

शेष सभागार में संविधान को सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन में राज्य के ST/SC/OBC और अल्पसंख्यक समाज के प्रबुद्ध लोग शिरकत करेरे।

आदिवासी-मूलवासी से संबंधित सामाजिक संगठनों के अग्रवा प्रतिनिधियों को भी सम्मेलन शामिल होने का मौका मिलेगा। ऐसे परिणाम क्यों आए, इसकी लंबे वक्त से समीक्षा हो रही है।

अब राहुल गांधी ने इसको लेकर खुलासा किया है। रांची में संविधान सम्मेलन के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि मैं आज आपको राज की बात बताता हूँ, लोकसभा के जो चुनाव हुए, उसमें सिर्फ हमारे एक फैसले से बोजेंपी चित्र हो गई।

शैर्य सभागार में करीब 500 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही



सभागार के बाहर LED स्क्रीन भी लगाया जा रहा है। संविधान सम्मान सम्मेलन में संविधान में ST/SC/OBC और अल्पसंख्यक समाज के लोगों के हक अधिकार कर रही हैं। संविधान में निहित अधिकारों पर भी बात होगी। आज के दौर में संविधान के अधिकार के तहत बव्य मिला और बव्य का नहीं मिला, इसको लेकर कौन है दोषी और कैसे मिलेगा अधिकारज-प्रेसे तमाम विषयों पर चर्चा होगी।

### 50 प्रतिशत के आरक्षण बैरियर

टूटागा

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस और ईडिया गठबंधन की सरकार आएगी, तब हम जाति जनता पार्टी के 240 सीटों पर जीत मिली। इसी तरह कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत मिली। कांग्रेस गठबंधन को 236 और बीजीपी सभागार को 293 सीटों पर जीत मिली। केंद्र में सरकार बनाने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है।

राहुल ने कहा कि इस जनगणना से हम यह पता लगाना चाहे रहे हैं कि भारत में

पीड़ी (पिछड़े, विलत और मुस्लिम) कितने पिछड़े हैं और उनको हिस्सदारी सरकार में कितनी है?

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि सरकार जाति जनगणना कराने का तैयार नहीं है, लेकिन इसे सरकार रोक नहीं पाएगी। राहुल ने अगे कहा कि युक्त 20 साल बाद जननीति समझ आ गई है। मैं आपसे बाद करके जा रहा हूँ कि आपके अधिकार को कोई खत्त महसूस नहीं कर पाएंगा।

240 पर बीजीपी, 99 पर जीती कांग्रेस

543 सीटों पर हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी को 240 सीटों पर जीत मिली। इसी तरह कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत मिली। कांग्रेस गठबंधन को 236 और बीजीपी सभागार को 293 सीटों पर जीत मिली। केंद्र में सरकार बनाने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है।

## चुनाव आयोग ने दिया निर्देश झारखण्ड के DGP अनुराग गुप्ता को तत्काल हटाएं

● झारखण्ड विधासभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने राज्य के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र प्रभात

भारत के चुनाव आयोग (ईंवीआई) ने कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव सेटाने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने शनिवार को झारखण्ड सरकार को यह निर्देश दिया। चुनाव आयोग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि उन्हें डीजीपी के पद से तत्काल प्रभाव से हटाकर केंद्र में उत्तरब्ध सबसे वरिष्ठ डीजीपी स्तर के अधिकारी को प्रभाव से बाहर करें।

बात दें कि झारखण्ड में दो चरणों में 13 नवंबर और 2 नवंबर के तरावत में तदान हैं। चुनाव को लेकर पहले चरण की नामकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इस बीच, चुनाव आयोग ने कार्यवाहक डीजीपी को तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्देश दिया है। डीजीपी पद के विरुद्ध अधिकारी की ओर से जारी आदेश में उत्तरब्ध नहीं कर पाएगा।

सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से संभावित डीजीपी के अधिकारियों की प्रक्रिया पर त्यारी नहीं हो रही है। उसके अनुसार डीजीपी पद के विरुद्ध अधिकारी की ओर से जारी आदेश में उत्तरब्ध नहीं कर पाएगा।

सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग ने झारखण्ड सरकार को शनिवार शाम सात बजे तक निर्देश के पालन कर दिया गया था और उन्हें डिल्ली में रेजिस्टर कमिशनर कार्यालय में नियुक्त किया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक झारखण्ड लैटेन पर रोक लगा दी गई थी। इसके साथ ही साल 2016 में झारखण्ड से राज्य सभा चुनाव के दौरान भी नपर सत्ता के दुरुपयोग के आरोप से जारी किया गया था।

इसके साथ ही चुनाव आयोग ने कहा है कि सरकार को 21 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तक भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के विरुद्ध अधिकारियों का प्रभाव से बाहर करने के दूर की ओर से जारी किया गया है।



चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि अनुराग गुप्ता को हटाने का फैसला पिछले चुनावों के दौरान उनके खिलाफ शिकायतों के विरुद्ध कार्रवाइ की आधार बनाकर लिया गया है।

अनुराग गुप्ता पर पहले भी लगे थे आरोप

गैरतलब है कि इससे पहले साल 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेपएस) ने अनुराग गुप्ता पर पक्षपात्री आचरण का आरोप लगाया था। उसके बाद उन्हें झारखण्ड के डीजीपी (विशेष शाखा) के विरुद्ध अधिकारी की ओर से जारी आदेश में उत्तरब्ध नहीं कर पाए गए।

सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग ने झारखण्ड सरकार को शनिवार शाम सात बजे तक निर्देश के पालन कर दिये गये।

सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग ने झारखण्ड सरकार को शनिवार शाम सात बजे तक निर्देश के पालन कर दिया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक झारखण्ड लैटेन पर रोक लगा दी गई थी। इसके साथ ही साल 2016 में झारखण्ड से राज्य सभा चुनाव के दौरान भी नपर सत्ता के दुरुपयोग के आरोप से जारी किया गया था।

इसके साथ ही चुनाव आयोग ने कहा है कि सरकार को 21 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तक भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के विरुद्ध अधिकारियों का प्रभाव से बाहर करने का फैसला किया गया है।

इसके साथ ही चुनाव आयोग ने कहा है कि सरकार को 21 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तक भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के विरुद्ध अधिकारियों का प्रभाव से बाहर करने का फैसला किया ग

## अवध, अम्बेडकर नगर, बलरामपुर

## संक्षिप्त खबरें

खिल्की तोड़कर बैंक में घुसा थार, पुलिस ने मौके पर दबोचा



बस्ती। जिले के कसानगंज थाना क्षेत्र के बड़ाबां-यूपी बैंक महराजगंज बस्ती की शाखा का खिल्की काटकर अंदर घुसे चोर को गाड़ी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाने पर ले जाकर पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही थी। बड़ाबां-यूपी बैंक महराजगंज बस्ती शाखा के तरीके बदल कर जाए एक चोर खिल्की में लगे लोहे के छड़ को काटकर अंदर घुस गया था। डुक्टी पर मौजूद गाड़ी जगदीश वर्मा कुछ शक हुआ तो वह सतर्क हो गया और इसकी जानकारी उसने आसपास के लोगों तथा पुलिस को दे दिया। लोगों ने हो हल्ला मचाया तो मौके पर भारी गाड़ी इकट्ठा हो गई। सूचना पर महराजगंज चौकी पुलिस के अलवा कसानगंज पुलिस (Kaptanganj Police) नैक पर पहुंची। मौके पर बैंक की लोहे की खिल्की कटी हुई मिले लोकेन दरवाजा बंद होने के चलते पुलिस और लोग असहाय दिया थाना प्रभारी कसानगंज थाना प्रभारी कसानगंज दीपीय तुड़े फोर्स के साथ अंदर घुसे और चोर को पकड़कर थाने पर लेकर चले गये। पकड़ा गया चोर रासातोल हैरान थाना क्षेत्र खेमजपुर का निवासी है। जानकारी के मुताबिक यह अक्सर बैंक आया करता था।

**कारों की गुणवत्ता को लेकर भाजपा नेता ने जताई आपति, किया थे काम**

अम्बेडकरनगर। कारों में हो रहे अनियमितता को लेकर भाजपा नेता ने विशेष दर्द करते हुए कार्य को रुकवाकर कुप-माप दर्शकर कार्य पूर्ण करवाने की मांग की। प्रसिद्ध मंदिर बाबा शारदांख में हो रहे विकास कारों को देखने पर चोरी भाजपा मंडल अध्यक्ष मलिलपुर शुम्प पांडेय रुद्ध ने मानक के अनुबन्ध न होने का आरोप लाओ हुए कार्य को रुकवाकर दिया। उन्होंने जेंडर और एकेंद्र दर से पूरी माप लेकर कुप-माप कार्य करने की बात कही। शुम्प पांडेय रुद्ध ने बताया कि भाजपा सरकार से जिस तरह सभी मंदिरों का विकास कार्य हो रहा है। बाबा शारदांख में भी 78 लाख रुपए का आवटन हुआ है। 350 मीटर के लागड़ापथर बाकी पूरे फैल्ड में इंटर्कोंटॉन 6 पथर के कुर्झी और एक बड़ा सा पंडल भी पारी निकासी के लिए ताली साथ में एक बड़ा सा गेट बनाया रखा गया। इस अवसर पर चोरी के पूर्व प्रधान प्रदीप मिश्र, अनंत मिश्र, भोला यादव, उत्कृष्ण पांडेय आदि ग्राम वासी भी मौजूद हो।

**कृषि विज्ञान केंद्र पर मकान की उन्नत खेती विधायक पर होगा प्रारंभण**

अम्बेडकरनगर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र पार्टी में सिमेट योजनात्मक किसानों के उत्तराखण्ड करारे गए मकान की नवीन प्रजातियों पी. जे. एच. एम.-1, अमृतंग राज एवं आई. एम. स.च. एवं प्रौद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र विकासांख्य-कटेहरी एवं भींगी में कराया गया है। शनिवार को एकोसेट, हैंदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक डा. पी. एच. जेंटी ने कृषि विज्ञान केंद्र पार्टी, अंडेकर नगर के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक डॉ. राम जीत, उद्यान वैज्ञानिक डा. शशांक शेखर सिंह, डॉ. राम गोपाल यादव एवं डॉ. जे. पी. राम के साथ प्रक्षेत्र भ्रमण कर नवीन प्रजातियों को लाना सीधे जिसाने के लिए निवासी को अवगत कराया जाएगा। उद्यान वैज्ञानिक डा. जेंटी ने जिसानों को अवगत कराया कि सिमेट द्वारा मकान की उन्नत खेती विधायक परिषिक्षण कृषि विज्ञान केंद्र पार्टी, पार्टी, अंडेकर नगर में कराया जाएगा।

**3 नवंबर को बरही में धूमधाम से मनाया जाएगा चित्रगुप्त पूजा**

पूर्वहन 10 बजे से पूजा और संध्या 7 बजे से होंगे सामूहिक प्रतीत भोज

बरही- प्रत्येक वर्ष की भारी नियम इस वर्ष भी अगमी 3 नवंबर को न्यू कॉलनी के सूर्योदाय परिसर स्थित चित्रगुप्त मरिंग के चित्रगुप्त पूजा धूमधाम की देर संध्या नामानं प्रसाद के लिए चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही- प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा केवल चित्रांशु चंद्रन कुराकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैंक में कराया गया।

बरही-















अंधा कानून घाँच करोड़ मुकदमे पौडिंग और मोलाड मूर्ति बदल रहे हैं !

न्याय की देवी। वाली प्रतिमा में बड़े बदलाव किए गए हैं। अबतक इस प्रतिमा पर लगी आंखों से पट्टी हटा दी गई है। वहाँ, हाथ में तलवार की जगह भारत के संविधान की प्रति रखी गई है। सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों का कहना है कि यह नई प्रतिमा पिछले साल बनाई गई थी और इसे अप्रैल 2023 में नई जज लाइब्रेरी के पास स्थापित किया गया था। लेकिन अब इसकी तस्वीरें सामने आई हैं जो वायरल हो रही हैं। पहले इस प्रतिमा में आंखों पर बधी पट्टी कानून के सामने समानता दिखाती थी। इसका अर्थ था कि अदालतें बिना किसी भेदभाव के फैसला सुनाती हैं। वहाँ, तलवार अधिकार और अन्याय को दर्ढ़ित करने की शक्ति का प्रतीक थी। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की नई प्रतिमा में आंखें खुली हुई हैं और बाएं हाथ में संविधान है। सवाल यह है कि इस बदलाव से क्या देश की न्याय व्यवस्था में कुछ सकारात्मक परिणाम आएगा? क्या देश के सुप्रीम कोर्ट के जजों के चयन की प्रक्रिया से कालेजियम का ग्रहण हटाया जाएगा? क्या देश की अदालतों में न्याय की गुहार कर रहे लंबित पांच करोड़ मुकदमों की सुनवाई पूरी हो जाएगी? क्या एक गरीब आदमी को सस्ता सुलभ न्याय दे पाएगे?

आपको बता दें कि मान्यता है कि न्याय

का सिद्धांत सबके लिए समान है, और न्याय की देवी इसका प्रतीक मानी जाती हैं। सदियों से न्याय की देवी को विश्वभर की अदालतों में तराजू तलवार और आंखों पर बंधी पट्टी के साथ दर्शाया जाता है। यह प्रतीक न्याय के निष्पक्ष और समान वितरण को दर्शाता है, जहां सभी बिना भेदभाव के बराबर होते हैं। मगर सुधीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए न्याय की प्रतीक देवी की प्रतिमा को नया रूप दिया है। भारतीय संविधान लागू होने के 75वें वर्ष में न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी हटा दी गई है, और अब उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान है। न्याय की मूर्ति में इस बदलाव को लेकर अधिकतर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और कानून के जानकारों के द्वारा इसको सही ठहराया जा रहा है। हालांकि, इस फैसले पर राजनीति गरमा गई है, जिसमें शिवसेना उद्घव बालासाहेब के नेता संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना के यूबोटी सांसद संजय राउत ने न्याय की देवी की अदालतें फैसला करने से पहले दोनों पक्षों को बराबरी से सुनती और तौलती हैं। दरअसल न्याय की देवी यानी लेडी ऑफ जस्टिस का इतिहास कई हजार साल पुराना है। इसकी अवधारणा प्राचीन ग्रीक और मिस्र की सभ्यता के दौर से चली आ रही है। न्याय की देवी, जिसे लेडी जस्टिस भी कहते हैं, की प्राचीन छवियां मिल की देवीमाता से मिलती-जुलती हैं। मात मिस्त्र के प्राचीन समाज में सत्य और व्यवस्था की प्रतीक थीं। ग्रीक पौराणिक कथाओं में न्याय की देवी थ्रीमिस और उनकी बेटी डिकी हैं, जिन्हें एस्ट्राया के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन यूनानी दैवीय कानून और रीत-रिवाजों की प्रतिमूर्ति देवी थेमिस और उनकी बेटी डिकी को पूजा करते थे। डिकी को हमेशा तराजू लिए हुए चित्रित किया जाता था और ऐसा माना जाता था कि वह मानवीय कानून पर शासन करती है। प्राचीन रोम में डिकी को जस्टिटिया के नाम से भी जाना जाता था। ग्रीक देवी %थ्रीमिस% कानून, व्यवस्था और न्याय का प्रतिनिधित्व करती थी, जबकि रोमन



जो तलवार और सत्य के पंख रखती थी। हालांकि, मौजूदा न्याय की देवी की सबसे सीधी तुलना रोमन न्याय की देवी जिस्टिटिया से की जाती है। ग्रीक सभ्यता दुनिया की ज्ञात सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। ग्रीक सभ्यता में हजारों देवताओं की मान्यता रही है। वहां खेत, अंगूर, शराब, पानी, हवा, आकाश, रंगमंच, संगीत जैसी हर चीज के लिए एक देवी या देवता रहा है। प्राचीन ग्रीक के लोग अग्रणी भाग्यवादी थे और अपने हर कर्म में देवीय मौजूदगी को मानते थे। यह उनके आध्यात्मिक प्रतीक थे, यह उनका दर्शन था, जिनसे वे मार्गदर्शन लिया करते थे। न्याय के लिए भी उन्होंने अपनी कल्पना से ऐसी फिलासफी सामने रखी, जो एक ऐसे प्रतीक के रूप में सामने आई जो दुनिया भर में अपनाइ गई। पुनर्जागरण काल में यूरोप में मिथकों की निर्माण भी चलता रहा। नए उभरे गणराज्यों में न्याय की देवी नागरिकों के लिए कानून और न्याय की एक शक्तिशाली प्रतीक बन गई। यह राजाओं के देवीय अधिकार के सिद्धांत का समर्थन करती थी, लेकिन इसमें लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ न्याय की निष्पक्षता का महत्वपूर्ण सिद्धांत अहम था। न्याय की देवी के प्रतीक को दर्शाने वाली कलाकृतियां, पौटिंग, मूर्तियां दुनिया भर में पाई जाती हैं। उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, मध्य- पूर्व, दक्षिणी एशिया, पूर्वी एशिया और ऑस्ट्रेलिया की अदालतों, कानून से जुड़े दफतरों, कानूनी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों में न्याय की देवी की प्रतिमाएं और तस्वीरें देखने को मिलती हैं। यूनानी सभ्यता से न्याय की देवी यूरोप और अमेरिका पहुंची। इसे भारत ब्रिटेन के एक अफसर लेकर आए थे। इसे 17वीं सदी में एक अंग्रेज न्यायालय अधिकारी भारत लाया था। ब्रिटिश काल में 18वीं शताब्दी के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का उसके प्रतीकों के साथ भारतीय लोकतंत्र में स्वीकार किया गया। अगर देखा जाए तो न्याय की मूर्ति में ये बदलाव के पीछे जो सोच है, वह सकारात्मक कही जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंथा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। यह कानून को सर्वद्रष्टा बताने की कोशिश है। मगर जरूरी है कि देश की सिर्फ न्याय की देवी की मूर्ति में बदलाव नहीं हो, बल्कि देश की न्यायाधीक प्रक्रिया में भी बदलाव हो। मौजूदा परिस्थितियों में किसी मामले में न्याय पाने के लिए थाना पुलिस और कोर्ट कचहरी का चक्र लगाते लगाते जिंदगी तबाह हो जाती है। न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन सही है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत है कि देश की सड़ गल रही न्यायिक प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन हो, करोड़ों लंबित मुकदमों का निबटान हो लोगों को समयबद्ध न्याय सुलभ कराने की व्यवस्था की जाओ ताकि लोगों को सही समय पर सुलभ तरीके से न्याय मिल सकें, तभी न्याय की मूर्ति में बदलाव के मायने सारथक होंगे वरना इस तरह का बदलाव महज छलावा और आम आदमी को बहाने के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। देश की अदालतों में लंबित पांच करोड़ मुकदमे न्याय व्यवस्था की हकीकत बयान करते हैं। तीस हाइकोर्ट में 169000 मुकदमे तो तीस साल पुराने हैं ऐसी न्याय व्यवस्था में मूर्ति बदल कर बदलाव आने की कल्पना महज मूर्खता ही कही जा सकती है और सविधान की प्रति का भी मखौल है।

## मनोज कुमार अग्रवाल

# अम्बन्धों में ‘बातचीत’

विष्ववाणी को थो वह सही साक्षित है क्योंकि मजहब के नाम पर इस मुल्क में इस्लाम मानने वाले के लीन ही बल्लभपें प्रिंसीप हैं।

रअसल 76 साल पहल वजूद मे आन गाला पाकिस्तान सिवाये मजहबी जुनून कलाने के अलावा अपने नागरिकों के लिए कुछ नहीं कर पाया है। लगातार भारत विवरोध को इसने अपने वजूद की शर्त बना लिया है। इसके बावजूद भारत की हमेशा वह कोशिश रही है कि अपने पड़ोसी से मम्बन्ध खुशगंवार रखे जाये मगर जब भी वारत ने पाकिस्तान के साथ दोस्ती का नागरिक है।

जनरल अयूब शेख साहब पर डोरे डाल रहे थे मगर शेख साहब काबू में नहीं आ पा रहे थे। उन्होंने पं. नेहरू का यह सन्देश दिया कि कश्मीर की समस्या को अब हल किया जाना चाहिए। इसके लिए शेख साहब ने जनरल अयूब को भारत का दौरा करने की सलाह दी। इससे पहले 1963 में पं नेहरू पाकिस्तान की राजकीय यात्रा

ग्रामीण बदलाया इसे धोखा ही मिला। मगर उसके साथ यह भी हकीकत है कि जब एक आजाद हिन्दुस्तान के प्रधानमन्त्री प. नवाहर लाल नेहरू रहे तब तक आकिस्तान ने आंखें तरेरने की हिम्मत नहीं की। इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि अंडित नेहरू की शिखियत बहुत खुलन्दी थी और अन्तर्राष्ट्रीय जगत में उनका रुटबा गान्तिदूत का था।

कुछ लोगों को आज हैरत हो सकती है कि यदि 27 मई 1964 को नेहरू जी की मृत्यु न होती तो कश्मीर की समस्या



रहे हैं कि दोनों देशों के रहनुमाओं के बीच भी बातचीत होनी चाहिए क्योंकि बात से ही बात आगे बढ़ती है लेकिन नवाज शरीफ साहब को याद रखना चाहिए कि जब 1999 में वह प्रधानमन्त्री थे तो तत्कालीन प्रधानमन्त्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने बस से लाहौर की यात्रा की थी और उन्होंने खुद ही स्व. वाजपेयी की प्रशंसा में कसीदे काढ़े थे। मगर वाजपेयी जी के लौटते ही पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध शुरू कर दिया।

**स्वतंत्र प्रभात**  
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार  
अवस्थी द्वारा अनवर ऑफिसेट एप्ल- 58,  
५९ बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन  
यात्रा का काव्यक्रम मा लागेना रोपर कर  
लिया था। अयूब जुलाई महीने तक भारत  
की यात्रा पर आते मगर मई में ही पं. नेहरू  
चल बसे। शेख अब्दुल्ला का पाकिस्तान दौरा  
भारत के नजरिये से बहुत सफल दौरा रहा

लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-  
एम/29 अपोजिट उभान एन्क्लेव  
अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित  
**संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,**  
**मो: 7499472288**

E-Mail:  
news@swatantraprabhat.com  
RNI No: UPHIN/2019/79073

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों  
के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट  
के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी  
विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय

ननपद लखनऊ ही होगा। स्व. लाल बहादुर शास्त्री बने। उनकी छवि

# संपादकीय

भारतीय रजतपट के सर्वाधिक अधिकारी ने अभिनेता निर्देशक अतल अग्रिहोत्री से हाथ

लोकप्रिय सितारों में से एक अभिनेता सलमान खान के ऊपर मौत मंडरा रही है, जिसका प्रभाव बड़ा चिंता है जी लो



वृद्धिकी है। खान ने अपने भाईयों अरबाज रुहेल की ही तरह बांद्रा स्थित सेंट्रल एनिसलॉस हाई स्कूल के माध्यम से अपने कक्षीय शिक्षा समाप्त की। इससे पहले उन्होंने वालियर स्थित सिंधिया स्कूल में अपने छेत्रे भाई अरबाज से साथ कुछ वर्ष पढ़ाया था। तभी विवादों में विरो सलमान खान की ताकत एक प्रशंसक मैं भी हूँ। उनकी फिल्म दर्खने वालों में तभाम अंधेभक्त भी रही है। उन्होंने अपनी विकिन अब उन्हें सलमान खान में नायक बताया है। सलमान ने अतीत में जो भी अपराध किया था, उनकी सजा उन्हें मिली है या मिलेगी। उन्होंने अपनी विकिन अब उन्हें सिर्फ इस वजह से जान रखना चाहता है। उन्होंने कोई धमकी नहीं दी जा सकती क्योंकि उन्होंने एक मुसलमान हैं। काले हिरण के शिकायत के मामले में उन्होंने बाकायदा जेल यात्रा की और न्यायालय की ओर से ही उन्हें जांच की गई। उन्होंने अपनी आवाहन की तरफ अपनी विकिन को जान से मरने की धमकियां मिल चुकी हैं। बदमाशों ने शाहरुख खान, राकेश रोशन और विवेश भट्ट, अमिर खान और अक्षय कुमार को भी क्या कम धमकाया है? गुलशन रुमार और सिद्धू मूसावला की तो इन बदमाशों ने जान ही ले ली है।

न्यादा लाकाप्रय । दाना का जान लगातार बतरे में रहती है लेकिन दोनों का नोकप्रियता दिनों -दिन बढ़ती ही जा रही है। राहुल और सलमान खान की तुलना करने पर मुझे तमाम आक्रमणों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन एक लेखक के रूप में मुझे जो ठीक लग रहा है, वो मैं लिख रहा हूँ। मुकामिन है कि मेरा लिखा सब को भी हो। मैं करूँ तो करूँ भी क्या ? मुझे दिलाइप कुमार साहब भी पसंद है। मुझे वहीदा रहमान पसंद है। ये सभी मुख्यलाभी हैं। अब सिर्फ इसी वजह से न मैं अपने पसंद बदल सकता हूँ और न दूसरे लोगों की ऐसा कर सकते हैं। कुल जमा बात नहीं है कि इस समय देश में सत्ता और डॉक्टर बीच एक अधोषित गठबंधन बनता है। नजर आ रहा है। महाराष्ट्र और राष्ट्र के बीच बहुतदाताओं की ये जिम्मेदारी है की वो इस घटजोड़ को हर सूरत में तोड़े।

लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था में शिक्षा  
शल प्राप्त कर गरीब युवा भी बेहत  
रामा पाए जा सकता है। सामाजिक

विज्ञान तकनीकी का वृहद तथा व्यापक प्रयोग ही है। दूसरी तरफ एशिया, अफ्रीका आर्थिक क्षेत्र ही नहीं बल्कि प्रशासनिक राजनीतिक क्षेत्र भी वैज्ञानिक तकनीकी

जार न्यून ह, इन पारास्तवारियों ने देश का अपने उपलब्ध कृषि, जल, खनिज तथा अन्य संसाधनों का अधिकतम दोहन कर आर्थिक स्थिति को द्रुत गति से सुधारना होगा और निसंदेह इसके लिए हमें आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक एवं अन्य अनुसंधान का आवश्यक रूप से सहारा लेना होगा तब जाकर हमारी आर्थिक स्थिति का संतुलन जनसंख्या के अनुपात में समानुपातिक हो पाएगा और परिणाम स्वरूप गरीबी तथा भुखमरी से संपूर्ण रूप से ना सही पर काफी हद तक निजात पाई जा सकती है। सदियों से हर समाज गरीबी की कठिन परिस्थिति का सामना करता रहा है। गरीबी किसी मनुष्य को इस कदर मजबूर कर देती है कि वह अपने जीवन की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है। इसके कारण भुखमरी कुपोषण और बेरोजगारी जैसी न जाने कितनी समस्या गरीब व्यक्ति झेलता है। प्राचीन काल से ही की उत्तम शासन का लक्ष्य गरीबी हटाना व प्रजा के दुख दर्द हटाने के उचित उपाय करना निर्धारित किया गया है। अनेक अर्थ शास्त्रियों ने अपने अलग अलग मत व सिद्धान्त पतिपादित किये हैं। कौटिल्य ने अपने

प्रातिपादित किया है। कानून न अपन अर्थशास्त्र में लिखा है कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में ही उसे अपना हित देखना चाहिए इसीलिए अशोक महान से लेकर अकबर और वर्तमान प्रजातंत्र में हर प्रधानमंत्री गरीबी हटाने के मूल मंत्र को लेकर आगे विकास की बात तय करते हैं। आधुनिक काल में जब शासन कल्याणकारी बनने लगा तो जनता का हित सर्वोच्च लक्ष्य बन गया और गरीबी हटाने के मुहिम जोर शोर से चलने लगे, इसमें काफी हृद तक सफलता भी प्राप्त की गई है।

जापान आज की स्थिति में विकसित राष्ट्र माना जाता है। पर इसे देखकर निश्चित तौर पर आशर्च्य होता है की यह एक ऐसा देश है जिसके पास में पर्याप्त प्राकृतिक साधन हैं न ही सुरक्षित निवास स्थान फिर भी लगातार दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होता है। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका झेलने

क कई दशा ह, जिनके पास नर्मदा प्राकृतिक संसाधन हैं, वे आज भी गरीबी पिछड़ापन को नहीं हटा पाए। इसका एक बड़ा कारण पुरानी शैली पर टिका हुआ विकास है। विज्ञान अपनी क्षमता से विकास के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की ताकत रखता है। पश्चिमी कई देश साधन विहीन होने के पश्चात भी अत्यंत विकसित एवं संपन्न राष्ट्र बने विज्ञान की तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल कर वे अपने राष्ट्र को समृद्ध कर पाए हैं। यह तो तय है और स्पष्ट है कि व्यापक गरीबी का निवारण पिछड़े विकास के साथनों से संभव नहीं है, पुराने तरीके जहां अधिक संसाधन समय लिते हैं उसके परिणाम में कम उत्पादन, कम मूल्य प्रदान करते हैं। इसीलिए वैश्विक स्तर पर अब विज्ञान आधारित विकास से गरीबी मिटाने तथा विकास की नई इबारत लिखने की प्रतिस्पर्धा बढ़ चुकी है। गरीबी का सबसे भयानक रूप भुखमरी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है किंतु अब विज्ञान के प्रयोग से काफी कम हो चुकी है। भारत जैसा विशाल जनसंख्या वाला देश कभी भूख से कराह रहा था, पर आज अनाज का निर्यातक बन कर 141 करोड़ जनता का पेट भी भर रहा है और अनाज निर्यात भी कर रहा है। भारत ने कृषि में नवीन यंत्रों को विकसित कर जो बेहतर तौर-तरीकों जैसे वैज्ञानिक प्रयोगों से ग्रीन रिवॉल्यूशन को लाकर खड़ा कर दिया। अब भारत में पर्यास अन्न का भड़ा भारतीय जनमानस के लिए उपलब्ध है। यह निसंदेह वैज्ञानिक तकनीक और दृढ़ संकल्प का ही परिणाम है, जो हमारे लिए गौरव का विषय भी है। इसी तरह मानव के विकास की अहम आवश्यकता शिक्षा और कौशल तकनीक भी गरीबी निवारण के लिए अपरिहार्य बन गई है। यहां भी वैज्ञानिक तरीकों से लॉजिकल पाठ्यक्रम ऑनलाइन पढ़ाई आदि से गरीबी के कई आधार संभ हटाए गए हैं। विज्ञान आधारित विकास से अब समाज में उद्योग सेवा क्षेत्र में कई नौकरियां तथा रोजगार के अनेक अवसर पैदा हो रहे हैं। विकास यानी गरीबी हटाने



